(ख) इन घटनाओं में कोई यात्री नहीं मारा गया। 28 व्यक्ति घायल हुए और चुराई गई सम्पत्ति का कुल मूल्य 9,75,381 रुपये है।

(ग) कानून और व्यवस्था संविधान के अनुसार राज्य सरकारों का विषय होने के कारण यात्रियों की संरक्षा और उनके सामान की रक्षा सुनिश्चित करना राजकीय रेलवे पुलिस का काम है, जो राज्य सरकारों के अधीन काम करती है। रेलें सभी स्तरों पर राज्य पुलिस प्राधिकारियों के साथ निकट सम्पर्क बनाये रखती हैं और जब भी आवश्यक होता है, अपेक्षित सहायता प्रदान करती हैं। रेलवे सुरक्षा बल रेल सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए है। बहरहाल, अपराधियों को डराने और यात्रियों के बीच विश्वास की भावना उत्पन्न करने के उद्देश्य से, एक अन्य उपाय के रूप में, रेलवे सुरक्षा बल के लगभग दो हजार कर्मचारियों को सवारी गाड़ियों की मार्ग में रक्षा करने के लिए तैनात किया गया है। कुल मिला कर, 353 गाड़ियां में केवल रेलवे सुरक्षा बल के मार्गरक्षी, 314 गाड़ियों में रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के मिले-जुले मार्ग-रक्षी और 519 गाड़ियों में केवल राजकीय रेलवे पुलिस के मार्ग-रक्षी रहते हैं। 22.00 बजे से 06.00 तक गाड़ियों के गलियारों में ताला लगा दिया जाता है। चल टिकट परीक्षकों / परिचरों / कंडक्टरों को अनुदेश दिये गये हैं कि अनधिकृत व्यक्तियों के डिब्बों में प्रवेश को रोकने के लिए वे सावधान रहें।

बेरोजगार युवकों को बेरोजगारी भत्ता

376. **श्री चन्द्रपाल शैलानी :**
श्री चित्त महाटा :
श्री अमर राय प्रधान :
श्री जय नारायण :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 दिसम्बर, 1979 तक देश में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी थी ;

(ख) बेरोजगारी की समस्या हल करने के लिए सरकार का क्या कारगर कदम उठाने का विचार है; और

(ग) क्या बेरोजगार युवकों को बेरोजगारी भत्ता देने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

पर्यटन और नागर विमानन तथा श्रम मंत्री श्री जे० बी० पटनायक : (क) 31-12-1979 की स्थिति के अनुसार देश में 14.33 मिलियन रोजगार चाहने वाले (जिनमें सभी बेरोजगार नहीं है) रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत थे।

(ख) एस० एफ० डी० ए० डी० पी० ए० पी०, आई० आर० डी०, कार्यक्रमों, स्व-रोजगार वर्धन और उद्यमकारिता विकास कार्यक्रमों, जिनमें जिला उद्योग केन्द्र योजना, काम के लिए अनाज कार्यक्रम, आप्रेशन फ्लड का कार्यक्रम, ग्रामीण युवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि की तरह के अनेक रोजगार/लाभानुमुख कार्यक्रम पिछले कुछ वर्षों से आरम्भ किए गए है, रोजगार अवसर सृजित कर रहे है और सृजित करना जारी रखेंगे। 20—सूत्री आर्थिक कार्यक्रम जिसमें गरीबों भूमिहीनों, दस्तकारों, हथकर्घा बुनकरों, अनुसूचित जाति और जनजाति तथा अन्य सामाजिक रूप से पिछड़ वर्गों को लाभ पहुंचाया है, को पुनः लागू तथा कार्यान्वित किया जाएगा। कृषि और ग्रामीण विकास, जिसमें लघु और सीमांतरीय किसानों तथा कृषि श्रमिकों की सहायता पर विशेष जोर दिया जाएगा, को सरकार की नीति में उच्चतम पूर्वता प्रदान की जाएगी। वर्तमान औद्योगिक क्षमता का बेहतर उपयोग, निर्यात के कृषक विस्तार, ऊर्जा "इन्फ्रास्ट्रक्चर" विकास आदि के सम्बन्ध में व्यापक राष्ट्रीय नीति ऐसे मामले हैं जिन पर सरकार ध्यान देगी। इन सब कार्यवाहियों से पर्याप्त रोजगार अवसरों के सृजित होने की सम्भावना है।

(ग) जी नही।

Railway Line between Khandwa and Dohad

377. SHRI SHIV KUMAR SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether a survey has been conducted by Government for introducing railway line between Khandwa and Dohad on Western/Central Railways in Madhya Pradesh; and

(b) if so, the details thereof and the time by which the work for laying of rails, etc., will start?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) No. Khandwa is already connected with Dohad with break of gauge at Ratlam.

(b) Does not arise.